चौखम्बा संस्कृत सीरीज
१६२
****

कृष्णद्वैपायनमहर्षिव्यासविरचितम्

ब्रह्मपुराणम्

मूल तथा भाषानुवाद

भाषाभाष्यकार
एस. एन. खण्डेलवाल
(श्री नाथ खण्डेलवाल)

पूर्वभागः

चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस
वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	पृष्ठांक
१. नैमिषारण्य में सूत का आगमन, उनसे ऋषिगण का पुराण विषयक प्रश्न तथा सृष्टि कथन	१
२. स्वायम्भुव मनु के साथ शतरूपा का विवाह, उत्तानपाद का वंश कथन, पृथु जन्म वृत्तान्त, प्रचेतागण के साथ वृक्षकन्या का विवाह तथा उससे दक्ष का जन्म	७
३. देवगण की उत्पत्ति	१३
४. ब्रह्मा द्वारा देवतागण का राज्याभिषेक, पृथु का चरित्र कथन	२५
५. मन्वन्तर कथा का आरंभ, महाप्रलय वर्णन	३६
६. सूर्यवंश वर्णन, संज्ञा का घोड़ी रूप धारण, अश्विनीकुमारद्वय का जन्म, यमुना-शनि प्रभृति सूर्यपुत्रगण का विवरण	४२
७. वैवस्वत मनु के वंश में इला की उत्पत्ति, बुध के साथ उसका संगम, सुद्युम्न आदि का जन्म, कुवलयाश्व चरित्र का वर्णन	४८
८. सत्यव्रत द्वारा त्रिशंकु नाम प्राप्ति का कारण, उसका सशरीर स्वर्गगमन, सगर जन्म वृत्तान्त, सगर पुत्रों को कपिल का शाप तथा भगीरथ का जन्म	५९
९. सोम की उत्पत्ति, उनके द्वारा वृहस्पति की भार्या का हरण तथा बुधोत्पत्ति	६८
१०. पुरूरवा जन्म, गाधिराज का जन्म, जमदग्नि जन्म वृत्तान्त, रेणुका-जमदग्नि का विवाह	७२
११. रति चरित वर्णन, धन्वन्तरि का जन्म तथा भारद्वाज से उनको आयुर्वेद लाभ	७८
१२. नहुष से ययाति आदि की उत्पत्ति, उनकी जरा को ग्रहण करने से अनिच्छुक यदु आदि को ययाति द्वारा शाप देना	८४
१३. पुरुवंश वर्णन, कार्त्तवीर्य अर्जुन वृत्तान्त तथा उसे आपव ऋषि का शाप	८९
१४. वसुदेव का जन्म वर्णन तथा उनसे कृष्णोत्पत्ति आदि का वर्णन	१०९
१५. ज्यामघ के चरित्र का वर्णन, कंस की उत्पत्ति	११४
१६. स्यमन्तक मणि का उपाख्यान, कृष्ण का जाम्बवती से विवाह, कृष्ण सत्यवती विवाह वर्णन	१२०
१७. शतधन्वा द्वारा सत्राजित् वध तथा अक्रूर को स्यमन्तक मणि देना	१२६
१८. भूगोल तथा सातों द्वीपों का वर्णन	१३०
१९. भारतवर्ष के प्रसंग में उसके नौ भेद, नदी तथा उपनदी वर्णन, जम्बूद्वीप प्रशंसा	१३५
२०. प्लक्षद्वीप तथा वहां के निवासियों की परमायु का परिमाण तथा अन्य द्वीपपुञ्ज का वर्णन	१३९
२१. पातालादि सात लोक तथा अनन्त का वर्णन	१४७
२२. पाप, नरक वर्णन, पापों के अनुसार नरक प्राप्ति वर्णन, श्रीहरि के स्मरण से पापक्षय, स्वर्ग-नरक स्वरूप कथन	१५०
२३. भूः, भुवः स्वः आदि का वर्णन, आकाश तथा पृथिवी का परिमाण वर्णन	१५५
२४. शिशुमार चक्र तथा ध्रुव की स्थिति का वर्णन	१५९
२५. शारीरतीर्थ का वर्णन तथा तीर्थ माहात्म्य पाठफल	१६२
२६. ब्रह्मा से ब्राह्मणों द्वारा मोक्ष सम्बन्धित प्रश्न	१६८
२७. भरतखण्ड तथा वहां स्थित गिरि नदी का वर्णन	१७१

२८. ओड्र देश में स्थित कोणादित्य का माहात्म्य कथन, सूर्यपूजा वर्णन १७९
२९. सूर्यपूजा माहात्म्य, शुक्लपक्षीय अर्क सप्तमी को सूर्याराधन की विशेषता का वर्णन १८५
३०. आदित्य माहात्म्य तथा सूर्य से समस्त जगत् की उत्पत्ति का वर्णन १९१
३१. आदित्य के गुणों तथा नाम माहात्म्य का वर्णन २००
३२. दैत्यपीड़ित देवगण द्वारा अदितिकृत सूर्यस्तव पाठ, देवासुर संग्राम, युद्ध में असुरों की पराजय का वर्णन २०४
३३. अंधकाराच्छन्न ब्रह्मादि द्वारा सूर्यस्तव, उनको सूर्य द्वारा वरप्रदान, सूर्य के १०८ नामों का वर्णन २१६
३४. रुद्र महिमा वर्णन, दक्ष तथा सती की वार्त्ता, सती का देहत्याग, पार्वती आख्यान वर्णन २२१
३५. उमा के साथ देवगण का कथनोपकथन, शिव-पार्वती संवाद, ग्राह तथा पार्वती की वार्त्ता, पार्वती को शिव द्वारा वर प्रदान २३२
३६. पार्वती स्वयंवर, पार्वती की गोद में शिशु रूपी शिव का शयन तथा शिव पार्वती विवाह २४०
३७. देवगण द्वारा शिवस्तुति, शिव का स्वस्थान गमन वर्णन २५४
३८. मदन दाह, मेनका द्वारा पार्वती का उपहास किया जाना, महेश्वर द्वारा पार्वती को प्रबोधित करने का वर्णन २५६
३९. दक्ष के साथ देवगण का कथनोपकथन, वीरभद्र की उत्पत्ति, दक्ष यज्ञध्वंस तथा शिव से दक्ष को वरलाभ, १००८ नामों का स्तोत्र वर्णन २६१
४०. दक्ष द्वारा शिव स्तुति, शिव द्वारा सभी वस्तुओं में विभाग के अनुसार ज्वर स्थापना करना २७१
४१. एकाम्रक्षेत्र का माहात्म्य वर्णन २८३
४२. विरजतीर्थ, विरजा देवी, वैतरणी नदी, उत्कलतीर्थ तथा पुरुषोत्तमतीर्थ वर्णन २९१
४३. अवन्तीनगर, महाकाल शिव, क्षिप्रानदी तथा विन्दस्वामी नामक विष्णु का माहात्म्य वर्णन २९५
४४. इन्द्रद्युम्न राजा का वर्णन, उनका दक्षिण-सागर तट पर जाना ३०३
४५. विष्णु द्वारा पुरुषोत्तम क्षेत्र का वर्णन ३०९
४६. इन्द्रद्युम्न द्वारा पुरुषोत्तम क्षेत्र का दर्शन ३१७
४७. इन्द्रद्युम्न द्वारा देवालय प्रासाद बनाने हेतु राजाओं को बुलाना ३१९
४८. प्रतिमा पाने हेतु इन्द्रद्युम्न द्वारा भोगों का त्याग करना ३२८
४९. इन्द्रद्युम्न द्वारा भगवत् स्तुति ३३०
५०. प्रतिमा की उत्पत्ति वर्णन के अन्तर्गत् इन्द्रद्युम्न का स्वप्न में भगवत् दर्शन, विश्वकर्मा द्वारा भगवान् की तीन मूर्त्ति का निर्माण ३३६
५१. पुरुषोत्तम क्षेत्र में तीनों मूर्त्ति की स्थापना, इन्द्रद्युम्न का विष्णुपद गमन, पञ्चतीर्थ वर्णन ३४२
५२. मार्कण्डेय का उपाख्यान, मार्कण्डेय द्वारा वटवृक्षादि का दर्शन ३४८
५३. मार्कण्डेय को भगवान् का दर्शन ३५०
५४. मार्कण्डेय का भगवत-उदर में प्रवेश ३५५
५५. मार्कण्डेय का भगवान् के मुख से बाहर आना तथा उनके द्वारा स्तुति ३५७
५६. विष्णु-मार्कण्डेय का विस्तृत संवाद वर्णन ३६१
५७. पञ्चतीर्थ विधि वर्णन ३६८

५८. नरसिंह पूजाविधि वर्णन ३७३
५९. कपालगौतम ऋषि के मृत पुत्र की जीवन प्राप्ति हेतु श्वेत राजा की प्रतिज्ञा तथा विष्णु से वर पाना, श्वेतमाधव माहात्म्य वर्णन ३८०
६०. नारायण के अष्टाक्षर मन्त्र की प्रशंसा, नारायण कवच तथा समुद्र स्नान विधि ३८९
६१. शरीरशोधन विधि, आवाहनादि मन्त्रयुक्त पूजाविधि का वर्णन ३९५
६२. समुद्र स्नान माहात्म्य वर्णन ४०२
६३. पञ्चतीर्थ माहात्म्य निरूपण ४०४
६४. महाज्येष्ठी प्रशंसा वर्णन ४०७
६५. कृष्ण स्नान माहात्म्य वर्णन ४०९
६६. गुड़िवा यात्रा का माहात्म्य वर्णन ४१८
६७. द्वादश यात्रा माहात्म्य वर्णन ४२१
६८. विष्णुलोक का वर्णन ४२८
६९. पुरुषोत्तम माहात्म्य वर्णन ४३४
७०. ब्रह्मा-नारद संवाद, चतुर्विध तीर्थों के लक्षण, गौतमी माहात्म्य वर्णन ४३८
७१. गंगा की उत्पत्ति कथा का आरम्भ ४४२
७२. शिवविवाह तथा हिमालय वर्णन ४४७
७३. बलि-वामन चरित्र ४५१
७४. गंगा के रूपद्वय का वर्णन, गौतम ऋषि का कैलास धाम गमन ४५९
७५. गौतम द्वारा उमा-महेश्वर स्तुति तथा उनके द्वारा गंगा को पृथिवी पर लाना ४६९
७६. गंगा का पंचदश रूपों में विभक्त होकर स्वर्गादि लोक जाना, गोदावरी स्नान विधि वर्णन ४७६
७७. गौतमीतीर्थ महत्त्व वर्णन ४७९
७८. सगर वंश का वृत्तान्त, गंगा को लेकर भगीरथ का पाताल गमन ४८१
७९. वराहतीर्थ वर्णन ४८९
८०. लुब्धक चरित्र वर्णन तथा कपोततीर्थ वर्णन ४९२
८१. स्कन्द चरित्र वर्णन, कुमारतीर्थ की उत्पत्ति ५०२
८२. कृत्तिकातीर्थ वर्णन ५०५
८३. दशाश्वमेधतीर्थ वर्णन ५०७
८४. पैशाचतीर्थ वर्णन ५११
८५. क्षुधातीर्थ वर्णन ५१३
८६. चक्रतीर्थ तथा गणिकातीर्थ संगम का और विश्वधर वैश्य का वर्णन ५१६
८७. अहल्यासंगम तथा इन्द्रतीर्थ वर्णन ५२३
८८. जनस्थानतीर्थ वर्णन ५३०
८९. अरुणा-वरुणा संगम तथा अश्वतीर्थ वर्णन ५३४
९०. गारुड़तीर्थ वर्णन, नदी-विष्णु संवाद, विष्णु द्वारा गरुड़ के दर्प का हरण, गौतमी में स्नान से गरुड़ को वज्रदेह की प्राप्ति ५३९

९१. गोवर्द्धनतीर्थ का वर्णन ५४४
९२. धौतपाप (पापनाशन) तीर्थ का वर्णन, मही नामक ब्राह्मणी का उपाख्यान ५४५
९३. विश्वामित्रतीर्थ वर्णन ५५१
९४. श्वेततीर्थ का वर्णन ५५४
९५. शुक्रतीर्थ वर्णन तथा श्वेतराज के साथ यम के युद्ध का वर्णन ५६०
९६. इन्द्रतीर्थ वर्णन, ब्रह्महत्या भय से इन्द्र का पलायन आदि प्रसंग वर्णन, मालव देश के नाम की निरुक्ति, पुण्यसिक्ता संगम तथा सप्तसहस्रतीर्थ वर्णन ५६४
९७. रावण का तपःश्चरण, उसका कुबेर से युद्ध, कुबेर द्वारा तपस्या तथा पौलत्स्यतीर्थ वर्णन ५६७
९८. अग्नितीर्थ वर्णन ५७१
९९. ऋणमोचनतीर्थ वर्णन ५७४
१००. सुपर्णासंगमतीर्थ, रुद्र तथा सुपर्णा का वर्णन ५७५
१०१. सरस्वती संगम, पुरूरवस, ब्रह्मतीर्थ, सिद्धेश्वरतीर्थ तथा पुरूरवा द्वारा उर्वशी प्राप्ति का वर्णन ५७९
१०२. पञ्चतीर्थ माहात्म्य, मृगव्याधोपाख्यान ५८१
१०३. शमी आदि तीर्थ वर्णन ५८३
१०४. हरिश्चन्द्रोपाख्यान, विश्वामित्रादि २२००० तीर्थ वर्णन ५८४
१०५. देवगण द्वारा सोम प्राप्ति तथा गंगा (गौमतीगंगा) में मिलित नद-नदी का वर्णन, सोमतीर्थ वर्णन ५९५
१०६. अमृतोत्पत्ति वर्णन, देवता-दानवों का मेरु पर्वत जाकर मन्त्रणा करना ५९९
१०७. वृद्ध गौतम तथा वृद्धा संगम तीर्थ वर्णन ६०५
१०८. इलातीर्थ वर्णन ६१३
१०९. चक्रतीर्थ वर्णन ६२८
११०. पिप्पलेश्वरतीर्थ वर्णन ६३४
१११. नागतीर्थ वर्णन ६६३
११२. मातृतीर्थ वर्णन ६७३
११३. ब्रह्मतीर्थ वर्णन ६७६
११४. अविघ्नतीर्थ दर्शन का वर्णन ६७९
११५. शेषतीर्थ वर्णन ६८२
११६. बड़वादि सहस्र तीर्थों का वर्णन ६८४
११७. आत्मतीर्थ वर्णन ६८७
११८. अश्वत्थादितीर्थ वर्णन ६९०
११९. सोमतीर्थ वर्णन ६९४
१२०. धान्यतीर्थ वर्णन ६९६
१२१. विदर्भा संगम तथा रेवती संगम वर्णन तथा अन्य तीर्थ वर्णन ६९८
१२२. पूर्णादि तीर्थों का वर्णन ७०२
१२३. रामतीर्थ वर्णन ७१३

❖❖❖

चौखम्बा संस्कृत सीरीज
१६२
****

कृष्णद्वैपायनमहर्षिव्यासविरचितम्

ब्रह्मपुराणम्

मूल तथा भाषानुवाद

भाषाभाष्यकार
एस. एन. खण्डेलवाल
(श्री नाथ खण्डेलवाल)

उत्तर भाग:

चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस
वाराणसी

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	पृष्ठांक
१. पुत्रतीर्थ वर्णन	१
२. यमतीर्थ वर्णन	१८
३. तपःतीर्थ का वर्णन	२५
४. देवतीर्थ वर्णन	३१
५. तपोवन प्रभृति तीर्थ वर्णन	३९
६. इन्द्रतीर्थ वर्णन	४८
७. आपस्तम्ब तीर्थ वर्णन	६३
८. यमतीर्थ वर्णन	६७
९. यक्षिणी संगम का माहात्म्य वर्णन	७४
१०. शुक्लतीर्थ वर्णन	७५
११. चक्रतीर्थ वर्णन	७८
१२. वाणी संगम तीर्थ वर्णन	८०
१३. विष्णुतीर्थ वर्णन	८३
१४. लक्ष्मीतीर्थ का वर्णन	८८
१५. भानु प्रभृति तीन सहस्र तीर्थ वर्णन	९३
१६. खड्गतीर्थ वर्णन	९८
१७. अन्विन्द्रात्रेय तीर्थ वर्णन	१००
१८. कपिला संगम नामक तीर्थ वर्णन	१०६
१९. देवस्थान तीर्थ का वर्णन	१०९
२०. सिद्धतीर्थ वर्णन	१११
२१. परुष्णी संगम तीर्थ वर्णन	११३
२२. मार्कण्डेय तीर्थ का वर्णन	११७
२३. कालञ्जर तीर्थ वर्णन	११८
२४. अप्सरायुग-संगम तीर्थ वर्णन	१२४
२५. कोटितीर्थ वर्णन	१२६
२६. नारसिंह तीर्थ वर्णन	१२९
२७. पैशाचतीर्थ वर्णन	१३१
२८. निम्नभेदतीर्थ वर्णन	१३४
२९. आनन्दतीर्थ वर्णन	१३७
३०. भावतीर्थ का वर्णन	१४२
३१. सहस्रकुण्ड नामक तीर्थ का वर्णन	१४३
३२. कपिलातीर्थ का वर्णन	१४७
३३. शंखह्रदतीर्थ वर्णन	१४८

अध्याय	पृष्ठांक
३४. किष्किन्धातीर्थ वर्णन	१५०
३५. व्यासतीर्थ वर्णन	१५४
३६. वज्रासंगमतीर्थ वर्णन	१५८
३७. देवागमतीर्थ का वर्णन	१६४
३८. कुशतर्पणतीर्थ प्रसंग वर्णन	१६७
३९. मन्युतीर्थ वर्णन	१७५
४०. सारस्वततीर्थ का वर्णन	१७८
४१. चिच्चिकतीर्थ का वर्णन	१८४
४२. भद्रतीर्थ वर्णन	१९०
४३. पतत्रितीर्थ का वर्णन	१९५
४४. विप्रतीर्थ वर्णन	१९७
४५. भानुतीर्थ वर्णन	२०१
४६. भिल्लतीर्थ वर्णन	२०५
४७. चक्षुतीर्थ वर्णन	२१०
४८. उर्वशीतीर्थ वर्णन	२२१
४९. सामुद्रतीर्थ वर्णन	२२७
५०. भीमेश्वरतीर्थ का वर्णन	२२९
५१. गंगासागर-संगम वर्णन	२३३
५२. तीर्थों का चतुर्विध्यादि (चार प्रकार का) निरूपण	२३७
५३. अनन्त वासुदेव माहात्म्य का वर्णन	२४७
५४. पुरुषोत्तम क्षेत्र माहात्म्य वर्णन	२५२
५५. कण्डु का चरित्र वर्णन	२५६
५६. मुनिगण द्वारा वादरायण से श्रीकृष्णावतार विषयक प्रश्न करना	२७४
५७. श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन	२८१
५८. अवतार के प्रयोजन का वर्णन	२८५
५९. श्रीकृष्णोत्पत्ति कथा निरूपण	२९१
६०. कंस विचार कथन	२९५
६१. श्रीकृष्ण बाल चरित वर्णन	२९६
६२. कालीय दमन का वर्णन	३०२
६३. धेनुवध का आख्यान	३०७
६४. रामकृष्ण कृत अनेक लीला वर्णन	३०९

६५. गोवर्द्धन आख्यान का वर्णन ३१५
६६. अरिष्टवध निरूपण ३२०
६७. केशी वध का वर्णन ३२६
६८. अक्रूर के व्रज जाने का वर्णन ३३०
६९. अक्रूर का वापस लौटना ३३४
७०. कुब्जा के उद्धार का वर्णन ३४२
७१. देवकी-वसुदेव के साथ इन्द्र का संवाद ३५०
७२. जरासन्ध सहित राम-जनार्दन के युद्ध का वर्णन ३५४
७३. कालयवन का उपाख्यान ३५५
७४. गोकुल में बलराम का पुनः आना ३६०
७५. हलधर बलराम की क्रीड़ा का वर्णन ३६२
७६. रुक्मिणी विवाह वर्णन ३६४
७७. प्रद्युम्न के आख्यान का वर्णन ३६६
७८. अनिरुद्ध के विवाह काल में रुक्मीवध वर्णन ३६९
७९. नरक वध वर्णन ३७३
८०. अदिति कृत भगवान् की स्तुति ३७६
८१. इन्द्र तथा कृष्ण के संवाद का वर्णन ३८४
८२. अनिरुद्ध के चरित्र का वर्णन ३८६
८३. बाण के साथ कृष्ण के युद्ध का वर्णन ३८९
८७. पौंड्रक वध का वर्णन ३९४
८५. बलदेव माहात्म्य वर्णन ३९९
८६. द्विविद वानर वध वर्णन ४०३
८७. भगवान् द्वारा भूमिभार हटाने का वर्णन ४०६
८८. कृष्ण द्वारा मनुष्य देह का विसर्जन ४१२
८९. रुक्मिणी आदि का परलोकगमन ४१३
९०. वराहावतार वर्णन ४२३
९१. नरक वर्णन ४३९
९२. दक्षिण मार्ग वर्णन ४५०
९३. नरकगत दुःखों का निवारण तथा धर्माचरण का वर्णन ४६२
९४. धर्म की श्रेष्ठता का वर्णन ४७१
९५. अन्नदान की प्रशंसा का वर्णन ४८१
९६. श्राद्ध विधि वर्णन ४८४
९७. श्राद्ध कल्प वर्णन ४९६
९८. सदाचार वर्णन ५१७
९९. वर्णाश्रम धर्म वर्णन ५३३
१००. संकर जातियों का लक्षण वर्णन ५३९
१०१. मानव को उत्तम गति प्राप्ति का वर्णन ५४६
१०२. उमामहेश्वर संवाद में देवलोक प्राप्ति कारण का वर्णन ५५१
१०३. मुनि तथा महेश्वर संवाद के अन्तर्गत् वासुदेव महिमा का वर्णन ५५७
१०४. मुनि व्यास संवाद के अन्तर्गत् विष्णुपूजा कथन ५६३
१०५. व्यास तथा मुनिगण के संवाद में विष्णु-पूजा का वर्णन ५६८
१०६. व्यास-मुनि संवादान्तर्गत् विष्णुभक्ति साधन वर्णन ५८४
१०७. व्यास तथा मुनिसंवाद के अन्तर्गत् महाप्रलय का वर्णन ५९५
१०८. व्यास-मुनि संवाद प्रसंग में द्वापर युगान्त का वर्णन ६०३
१०९. व्यास तथा मुनियों के संवादक्रम में प्रकृत प्रलय वर्णन ६१२
११०. प्रकृत लय निरूपण ६१६
१११. आत्यन्तिक लय निरूपण ६२१
११२. योगाभ्यास निरूपण ६२८
११३. सांख्ययोग का वर्णन ६३१
११४. ज्ञानियों को मोक्षलाभ का वर्णन ६३८
११५. गुणसृष्टि का वर्णन ६४७
११६. योगविधि का निरूपण ६५४
११७. सांख्यविधि का वर्णन ६६०
११८. वसिष्ठ-करालजनक संवाद के अन्तर्गत् क्षर-अक्षर निरूपण ६७१
११९. वसिष्ठ-करालजनक के संवाद का वर्णन ६७६
१२०. मोक्षधर्म के सम्बन्ध में वसिष्ठ से करालजनक द्वारा प्रश्न ६८१
१२१. विद्या-अविद्या का स्वरूप वर्णन ६८९
१२२. अज का (अजन्मा) भी विक्रिया से नाना होना ६९४
१२३. ब्रह्मपुराण पठन-श्रवण फल ६९९

❖❖❖